वस्तुनिष्ठ प्रकार परीक्षा :अर्थ, गुण अवगुण

Objective Type Examination :Meaning,Merits ,Demerits

शैक्षिक उपलब्धियों की जांच करने की क्रिया को परीक्षा अथवा शैक्षणिक मूल्यांकन कहते हैं । जैसे : बालकों को 1 वर्ष तक इतिहास की शिक्षा दी जाए और यह जांच करने का प्रयास किया जाए कि बालको का इतिहास में कितनी जानकारी अथवा ज्ञान प्राप्त हुआ है? अतः इतिहास में बालकों की उपलब्धि की इसी जांच प्रक्रिया को परीक्षा या मूल्यांकन कहेंगे । शिक्षा की सफलता के दृष्टिकोण से परीक्षा या मूल्यांकन बहुत उपयोगी और आवश्यक है । इससे एक लाभ यह होता है कि किसी बालक के संबंध में आगे की योजना बनाना संभव होता है । दूसरा लाभ यह होता है कि शैक्षिक वातावरण को उपयुक्त बनाने में सुविधा होती है । तीसरा लाभ यह होता है कि अध्यापन के स्तर को अनुकूल बनाने में आसानी होती है । चौथा लाभ यह होता है कि पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने में सुविधा होती है । पांचवा लाभ यह होता है कि बालकों कि व्यक्ति की भिन्नता की जानकारी मिल पाती है ।

परीक्षा के मुख्य दो प्रकार होते हैं, जिन्हें निबंधात्मक परीक्षा तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षा कहते हैं ।

निबंधात्मक परीक्षा उसे कहते हैं

जिसमें बालकों को प्रश्न के लंबे लंबे उत्तर निबंध के रूप में लिखने होते हैं। निपुण परीक्षकों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जाती है और दिए गए अंकों के आधार पर प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी अथवा तृतीय श्रेणी में उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाता है । अंक अपेक्षित से कम होने पर परीक्षार्थी को असफल घोषित कर दिया जाता है ।

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ परीक्षा वह परीक्षा प्रणाली है जिसमें सीमित समय के भीतर छोटे-छोटे प्रश्नों के दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करना होता है । इस प्रकार की परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन, ट्रू फॉल्स क्वेश्चंस ,मैचिंग क्वेश्चंस इत्यादि पूछे जाते हैं । प्रत्येक प्रश्न के उत्तर पहले से निर्धारित होते हैं । परीक्षार्थी को दिए गए विकल्पों में से ही सही उत्तर को चुनना होता है । प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक दिया जाता है । यहां भी सभी अंको के योगफल से किसी विषय में बालक की उपलब्धि या ज्ञान अर्जन का बोध होता है । जिसे प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी ,तृतीय श्रेणी अथवा असफलता के रूप में व्यक्त किया जाता है ।

वर्तमान समय में निबंधात्मक परीक्षा प्रणाली का महत्व बहुत अंश में घट गया है और वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली का महत्व बढ़ गया है । प्रतियोगी परीक्षाओं के रूप में इसका महत्व काफी आगे है । प्रतियोगिता परीक्षाओं के साथ-साथ बोर्ड की परीक्षा ,काउंसिल की परीक्षा तथा विश्वविद्यालय की परीक्षा में भी वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली काफी लोकप्रिय हो चली है ,क्योंकि इसमें कुछ ऐसे गुण हैं जो निबंधात्मक प्रणाली में नहीं है ।

❖ वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली के लाभ:

❖ Advantages of objective type examination

वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली के निम्नलिखित लाभ हैं

- वस्तुनिष्ठता
- Objectivity

इस प्रणाली का सबसे बड़ा गुण यह है कि इसमें उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन वस्तुनिष्ट रूप में संभव होता है । प्रश्नों के उत्तर पहले से निर्धारित होते हैं । इसलिए परीक्षक की मनोदशा ,मनोवृति ,पूर्व अनुभव, पूर्व धारणा इत्यादि व्यक्तिगत कारकों का तनिक भी प्रभाव मूल्यांकन पर नहीं पड़ता है । अतः मूल्यांकन वास्तविक तथा यथार्थ रूप में संभव होता है । यह गुण निबंधात्मक परीक्षा प्रणाली में नहीं है ।

- समग्रता
- Comprehensiveness

वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली में समग्रता का गुण पाया जाता है । यहां प्रश्नों की संख्या कम से कम एक से होती है । इसलिए संपूर्ण पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछना संभव होता है । अतः परीक्षा की शैक्षिक उपलब्धि का मूल्यांकन समग्र रूप से संभव हो पाता है । यह गुण निबंधात्मक परीक्षा में नहीं है ।

- समरूपता
- Uniformity

Scanned with CamScanner

- इस परीक्षा प्रणाली का एक लाभदायक पक्ष यह है कि यहां भिन्न-भिन्न परीक्षकों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में एकरूपता पाई जाती है । एक ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 10 परीक्षकों के द्वारा अलग-अलग कराया जाए तो उसके द्वारा दिए गए अंकों में संभवत कोई अंतर नहीं होता है । यह गुण निबंधात्मक परीक्षा प्रणाली में नहीं पाई जाती है ।

- कदाचार से मुक्त
- Free from unfair means

- इस परीक्षा प्रणाली का एक व्यवहारिक यह है कि इसे परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन में पुस्तकों अथवा गेस पेपर या नोटबुक से नकल करने का प्रोत्साहन नहीं मिलता है । यहां पर सब कुछ ऐसे होते हैं जिनका कोई रेडीमेड आंसर उपलब्ध नहीं होता है । दूसरी बात यह है कि प्रश्न इतने अधिक फैले हुए होते हैं । इस सीमित समय के भीतर उनके उत्तरों को खोज निकालना संभव नहीं होता है । इस दृष्टिकोण से भी यह प्रणाली निबंधात्मक प्रणाली से श्रेष्ठ कर है । समय एवं श्रम की बचत
- Time and Labour saving

इस परीक्षा प्रणाली के एक लाभ भी होता है । समय कम लगता है तथा श्रम कम करना होता है । यहां प्रश्न छोटे छोटे होते हैं और उनके उत्तर भी काफी छोटे छोटे होते हैं । उनके उत्तर को लिखने में समय कम लगता है और श्रम कम करना होता है । इस दृष्टिकोण से भी यह परीक्षा प्रणाली निबंधात्मक परीक्षा प्रणाली से बेहतर है ।

- प्रतिकूल प्रभाव से मुक्त
- Free from adverse effect

वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली का पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है । यहां परीक्षार्थी या परीक्षक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखे जाते हैं । परीक्षार्थियों को लंबे लंबे प्रश्नों को याद करने की आवश्यकता नहीं होती है । इसी तरह परीक्षार्थी तथा परीक्षक के मानसिक स्वास्थ्य अथवा शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है । इस आधार पर भी यह परीक्षा प्रणाली निबंधात्मक परीक्षा प्रणाली से श्रेष्ठ कर है ।

- वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली के दोष:
- Demerits of objective type examination

प्रश्न है कि वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली में उपर्युक्त गुणों के होने पर इसे निबंधात्मक परीक्षा के विकल्प के के रूप में स्वीकार किया जा सकता है या नहीं ? मनोवैज्ञानिकों तथा शिक्षा शास्त्रियों का कहना है कि इसे विकल्प के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं है ,क्योंकि इसमें निम्नलिखित दोष पाए जाते हैं:

- अनुमान का खतरा
- Danger of guessing

Scanned with CamScanner

- वस्तुनिष्ठ परीक्षा का एक गंभीर दोष या है कि यहां अनुमान का बहुत बड़ा खतरा होता है । यदि विकल्पी उत्तर दो हो तो अनुमान के आधार पर सही उत्तर के चयन का 50% प्रत्याशा रहता है ,यदि विकल्पों की संख्या 4 हो तो अनुमान के आधार पर सही उत्तर के चयन की संभावना 25% रहती है । अतः यह काफी दोषपूर्ण है जो दोष निबंधात्मक परीक्षा में नहीं देखी जाती है ।

सृजनात्मक चिंतन में अमददगार

- Not helpful in Creative Thinking

वस्तुनिष्ठ परीक्षा से रचनात्मक चिंतन के विकास में कोई मदद नहीं मिलती है । यहां परीक्षार्थी को किसी विषय के संबंध में चिंतन करने का अवसर नहीं मिलता है और इसलिए चिंतन का रचनात्मक विकास नहीं हो पाता है । यह दोष निबंधात्मक परीक्षा में नहीं है ।

- कल्पना में असहायक
- Not helpful in imagination

- कल्पना के विकास में भी वस्तुनिष्ठ परीक्षा कोई लाभदायक नहीं होता है । यहां परीक्षार्थियों को किसी विषय के संबंध में कल्पना करने का अवसर नहीं मिलता है ।इसलिए इस परीक्षा प्रणाली से उनकी कल्पना शक्ति के विकास में कोई लाभ नहीं होता है । लेखन

- शक्ति के विकास में बाधक
- Inhinitor in the development of writing ability

वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली से परीक्षार्थियों के लेखन शक्ति के विकास में कोई लाभ नहीं होता है । यहां परीक्षार्थियों को अधिक लिखने का अभ्यास नहीं करना होता है । इसलिए लेखन शक्ति विकसित नहीं हो पाती है । यह त्रुटि निबंधात्मक परीक्षा में नहीं है ।

- भाषा विकास में बाधक
- Inhibitor in language development

बालकों की भाषा के विकास में वस्तुनिष्ठ परीक्षा से कोई सहायता नहीं मिलती है इस परीक्षा प्रणाली में भाषा शुद्धता तथा भाषा शैली का कोई महत्व नहीं होता है । इसलिए वे अपनी भाषा को शुद्ध बनाने तथा भाषा शैली को आकर्षक बनाने का प्रयास नहीं करते हैं । यह दोष निबंधात्मक प्रणाली में नहीं देखी जाती है ।

- व्यक्तित्व विकास में बाधक
- Inhibitor in personality development

इस परीक्षा प्रणाली से बच्चों के व्यक्तित्व विकास में कोई लाभ नहीं होता है । शिक्षा का उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास होता है । लेकिन इस परीक्षा प्रणाली से केवल ज्ञान पक्ष का विकास होता है और

Scanned with CamScanner

शारीरिक पक्ष ,नीति पक्ष तथा हस्त कौशल पक्ष उपेक्षित ही रह जाता है । यह दोष निबंधात्मक परीक्षा में नहीं है ।

- इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि वस्तुनिष्ठ परीक्षा के कई दोष हैं, जिनके कारण इसे निबंधात्मक परीक्षा का विकल्प नहीं माना जा सकता है ।
- समाप्त
- NB

विद्यार्थियों को निर्देश दिया जाता है कि दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें,समझे और अपनी भाषा में उत्तर लिखने का प्रयास करें । यदि किसी तरह की कठिनाई हो तो व्हाट्सएप्प पर मुझसे संपर्क कर सकते हैं ।

Scanned with CamScanner